RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शुक्रवार, 03 फरवरी 2023 वर्ष 04 अंक 250 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

क्या महाराष्ट्र में उद्धव की शिवसेना, समझिए पूरा गणित...

एनसीपी और कांग्रेस गठबंधन में आ गई है दरार?

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में कसबा पेठ और पिंपरी-चिंचवाड़ दो विधानसभा सीटों पर 26 फरवरी को उपचुनाव होना है. इस चुनाव ने राज्य में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के अंदर विभाजन को उजागर कर दिया है. दरअसल, इस महागठबंधन की तीनों ही पार्टियां कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) में इस उपचुनाव को लड़ने की होड़ लगी हुई है.

इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक, उद्धव ठाकरे की शिवसेना पिंपरी-चिंचवाड़ में अपना उम्मीदवार चाहती है, खास बात ये है कि इस सीट से एनसीपी साल 2009 से चुनाव लड़ रही है. तो वहीं, कांग्रेस अपने लिए कसबा पेठ सीट चाहती है. एनसीपी के एक अंदर के सूत्र ने कहा, 'एनसीपी पिंपरी-चिंचवाड़ को किसी भी कीमत पर शिवसेना को नहीं देगी लेकिन, कस्बा पेठ के लिए कांग्रेस का

दावा स्वीकार्य है.' इसके अलावा, शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा, 'पिंपरी-चिंचवाड़ सीट से चुनाव लड़ने के लिए शिवसेना के कार्यकर्ता पार्टी पर दबाव बढ़ा रहे हैं.'

शिवसेना किसे लड़ाना चाहती है चुनाव

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की मांग इस आधार पर है कि इस इलाके में उसका एक संगठनात्मक आधार है और जब उद्धव ठाकरे की सेना राजनीतिक मंदी की मार झेल रही है, ऐसे में वो चुनाव से बाहर नहीं रहना चाहती है. इस सीट के लिए उद्धव की सेना का दावा राहुल कलाटे के प्रदर्शन पर भी आधारित है. राहुल कलाटे ने बीजेपी के दिवंगत नेता लक्ष्मण जगताप को कड़ी टक्कर दी थी. लक्ष्मण जगताप के देहांत के बाद इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है. अब मामला इस तरह से है कि जब राहुल कलाटे ने चुनाव लड़ा था तो शिवसेना का विभाजन नहीं हुआ था और जब उन्होंने बागी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था तो उन्हें एनसीपी और कांग्रेस दोनों का समर्थन मिला था. हालांकि, वो जगताप से चुनाव हार गए थे लेकिन वोट आंकड़ा बढ़ गया था. साल 2014 में राहुल को 65 हजार के आसपास वोट मिले थे जो साल 2019 में बढ़कर 1 लाख 28 हजार के आसपास हो गए थे. इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, राहुल कलाटे ने इस बात की पुष्टि की है कि उन्हें चुनाव लड़ने के लिए शिवसेना नेतृत्व से फोन आया था.

इथोपिया में कोकीन से बनी साबुन,

अदीस अबाबा से पहुंची मुंबई, जब पैकेट खुला तो उड़े होश!

मुंबई एयरपोर्ट पर 33.60 करोड़ रुपए की कोकीन बरामद,

मुंबई : मुंबई एयरपोर्ट पर उस वक्त सभी ने अपना सरि पकड़ लिया, जब अदीस अबाबा से आए साबुनों के भीतर से कोकीन निकलने लगी. इन साबुनों के भीतर से थोड़ी-मोड़ी नहीं, बल्कि 3.36 किलो कोकीन निकाली गई. आपको यह जानकार भी हैरानी होगी कि साबुन के भीतर से निकली कोकीन की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 33.6 करोड़ रुपए आंकी गई है. दरअसल, यह पूरा मामला मादक पदार्थों की तस्करी का है, जिसे मुंबई एयरपोर्ट पर तैनात डीआरआई अधिकारियों ने अपनी सूझबूझ से नाकाम किया है. मुंबई एययरपोर्ट के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इस बार, तस्करों ने सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देने के लिए नया प्लान तैयार किया था. जिसके तहत, उन्होंने कोकीन को प्लास्टिक बैग में रैप कर उसके चारों तरह वैक्स की लेयर चढा दी थी. वैक्स की लेयर चढ़े कोकीन को इन पैकेट्स को साबुन के बॉक्स में पैक कर दिया गया था. अंतर्राष्ट्रीय तस्कर अब अपने प्लान को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हो गए थे. कोकीन के साबुनों को इथोपिया एयरलाइंस की फ्लाइट एळ-640 से एक फरवरी को मुंबई एयरपोर्ट के लिए रवाना कर दिया गया. यहां पहुंचते ही डीआरआई ने कोकीन के साबुन के सहित एक शख्स को अपनी गिरफ्त में ले लिया.

मुंबई के क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय में भ्रष्टाचार, दो गिरफ्तार

ठाणे : भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने मुंबई के क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय से एक 'एजेंट और एक 'डेटा एंट्री ऑपरेटर को पासपोर्ट के नवीनीकरण के लिए पैसे लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। ठाणे रेंज के पुलिस अधीक्षक (एसीबी) सुनील लोखंडे ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी रत्नागिरी जिले के एक व्यक्ति की शिकायत पर की गई। अधिकारी के मुताबिक, ''पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की थी कि उसके पासपोर्ट का नवीनीकरण ऑनलाइन आवेदन के दौरान कुछ गलतियां हो जाने के कारण रोक दिया गया। इसे ठीक करने के लिए एजेंट ने शुरूआत में 1.8 लाख रुपये और कमीशन के तौर पर पांच हजार रुपये की मांग की थी। बातचीत के बाद एजेंट ने रकम 80,000 रुपये कर दी।

मुंबई में मोटरसाइकिल चोरी, गैरेज मालिक गिरफ्तार, 35 वाहन बरामद

ठाणे : मुंबई और नवी मुंबई से लोकप्रिय ब्रांड की मोटरसाइकिल चोरी करने के आरोप में पुलिस ने एक मैकेनिक को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने अब तक उसके द्वारा चुराई गई 35 मोटरसाइकिल बरामद की हैं और 15 अन्य का पता लगाने की कोशिश कर रही है। पुलिस उपायुक्त विवेक पनसारे ने कहा कि मुंबई के विक्रोली उपनगर का रहने वाला 58 वर्षीय आरोपी शहर के घाटकोपर इलाके में मोटर गैरेज चलाता है। उसे नवी मुंबई और ठाणे से दो साल के लिए निर्वासित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि उसके खिलाफ नवी मुंबई के वाशी, नेरुल, सीबीडी बेलापुर, खारघर, मुंबई में अंधेरी, पवई और ठाणे में कसारवडवली सहित विभिन्न पुलिस थानों में 46 अपराधिक मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र से दोपहिया वाहनों की चोरी के बढ़ते मामलों को देखते हुए पुलिस ने गश्त बढ़ा दी थी। हाल में एक पुलिस गश्ती दल ने एक व्यक्ति को संदिग्ध रूप से नवी मुंबई के राबेला इलाके में घूमते देखा और जब उसे रोका गया तो उसके बैग से मोटरसाइकिलों की चाबी, पेचकस और अन्य औजार मिले।

ठाणे जिले में मुंबई-नासिक राजमार्ग पर बंदूक दिखा कर लूट, चार गिरफ्तार

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में मुंबई-नासिक राजमार्ग पर बंदूक दिखा कर लूटने के आरोप में पुलिस ने उत्तर प्रदेश से एक किशोर समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त (कलवा) विलास शिंदे ने बताया, आरोपी एक कार में आए और राजमार्ग पर मोटरसाइकिल से जा रहे एक पीड़ित को रास्ते में रोका तथा उसे बंदूक दिखा कर उससे तीन मोबाइल फोन तथा 2.50 लाख रुपये नकद लूट कर फरार हो गए।

मामला कलवा पुलिस थाने में दर्ज है। जिसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य खुफिया जांच में पाया कि अपराध में पांच लोग शामिल थे।

संपादकीय / लेख

वोट और विकास का बजट

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

मोदी सरकार की दूसरी पारी के अंतिम बजट को लेकर कयास लगाये जा रहे थे कि आम चुनाव से पहले इसका स्वरूप लोक लुभावना ही होगा। लेकिन सरसरी तौर पर नजर डालें तो यह रणनीतिक बजट ही है, जिसमें अर्थव्यवस्था व विकास को तरजीह देते हुए लक्षित वर्ग को राहत देने का प्रयास हुआ है। यह नहीं कहा जा सकता कि सारी योजनाएं महज वोट बटोरने वाली हैं। वैसे तो पहले ही घोषणा की जा चुकी थी कि कोरोना महामारी के घातक प्रभावों से उपजे रोजगार संकट से उबारने वाली मुफ्त चावल-गेहूं योजना 2024 तक जारी रहने वाली है। अब सरकार ने बजट में घोषणा की है कि अस्सी करोड़ लोगों को लाभ देने वाली योजना के लिये सरकार अगले वित्तीय वर्ष में दो लाख करोड़ खर्च करेगी। लेकिन इस योजना का जारी रखना यह सवाल भी पैदा करता है कि जब अर्थव्यवस्था की बेहतरी के दावे किये जा रहे हैं तो अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देने की जरूरत क्यों है? सवाल यह भी कि क्या यह सरकार की लोकलुभावन पहल है? यह भी कि ये लोककल्याणकारी कदम है या रेवड़ियां बांटने की श्रेणी में है। निस्संदेह, सरकार की नजर इस साल नौ राज्यों के चुनावों तथा 2024 में होने वाले आम चुनाव पर है। इन राज्यों में त्रिपुरा,नगालैंड, मेघालय, कर्नाटक, राजस्थान व छत्तीसगढ़ आदि राज्य शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार का दावा है कि अमृत काल के इस पहले बजट का लक्ष्य समावेशी विकास है। दावा है कि रूस-यूक्रेन युद्ध से बाधित विश्व आपूर्ति शृंखला के चलते जब तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाएं मंथर गति से आगे बढ़ रही हैं भारत की विकास दर दुनिया में सबसे तेज 6.8 रहेगी। यह भी कि मंदी के अंधियारे में भारत की अर्थव्यवस्था दमकती रहेगी।

इसके पक्ष में आईएमएफ व दूसरी वैश्विक एजेंसियों के दावों को दोहराया जा रहा है। अच्छी बात यह है कि सरकार मान रही है कि अर्थव्यवस्था महामारी के संकट से उबर कर पटरी पर आ चुकी है। बहरहाल, सरकार के सामने महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्याएं खड़ी हैं। दूसरा इस वित्तीय वर्ष में बजट घाटा 6.4 रहने की बात कही गई है, उसे कम करने का दबाव सरकार पर रहेगा। सवाल यह भी है कि एक साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध से उपजे हालात तथा पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में उतार-चढ़ाव के बीच क्या हम विकास दर के लक्ष्य सहजता से हासिल कर पायेंगे? क्या हम वैश्विक मंदी और महंगाई से प्रभावित हुए बिना रह सकते हैं। वैसे अच्छी बात है कि सरकार ने मूलभूत सुविधाओं के निर्माण पर होने वाले खर्च में तैंतीस फीसदी की वृद्धि करके इसे साढ़े दस लाख करोड़ कर दिया है। निस्संदेह इससे जहां रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी,वहीं बाजार में निर्माण कार्य में लगने वाली सामग्री की मांग बढ़ने से बाजार को गति मिलेगी। प्रधानमंत्री आवास योजना में 66 फीसदी की वृद्धि को रोजगार व अर्थव्यवस्था को गति देने वाला कदम कहा जा रहा है। वहीं मध्यम वर्ग को आयकर में राहत देकर सरकार ने बड़ा कदम बढ़ाया है। दूसरी ओर खेती के लिये कर्ज, डेयरी, पशुपालन तथा मछली पालन को प्रोत्साहित करने वाली योजनाएं बजट का हिस्सा हैं। साथ ही बुजुर्गों-महिलाओं को राहत देने वाली घोषणाएं बजट में हैं। खासकर महिला सम्मान बचत पत्र स्कीम उल्लेखनीय है। निस्संदेह, नई टैक्स व्यवस्था में सात लाख तक की आय को करमुक्त रखने का प्रस्ताव स्वागत योग्य है, लेकिन आर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि इससे भविष्य के लिये धन सुरक्षित करने वाली योजनाओं में निवेश कम होगा। पहले कर बचाने के लिये लोग पीएफ, बीमा पॉलिसी तथा म्यूचुअल फंड में निवेश करते थे, इसमें अब कमी आएगी। बहरहाल, देश की जीवन रेखा रेलवे के लिये 2.40 लाख करोड़ का निवेश स्वागतयोग्य कदम है। इसी तरह कृषि कर्ज के लिये लक्ष्य बीस लाख करोड़ करने को किसान एक राहत की तरह देख सकते हैं। ये आने वाला वक्त बताएगा कि अमृतकाल के पहले बजट में सप्तऋषि प्राथमिकताएं धरातल पर कितनी प्रभावी होती हैं।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

मराठी मुद्दा छोड़ अब हिंदुत्व की राजनीति करेंगे राज ठाकरे! क्या भाजपा का मिलेगा साथ?

एक समय में बीजेपी और प्रधानमंत्री के कट्टर आलोचक माने जाने वाले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता राज ठाकरे के सुर इन दिनों बदले बादले से नजर आ रहे हैं. महाराष्ट्र में शिवसेना की सरकार गिरने के बाद से ही राज ठाकरे बीजेपी नेताओं के सम्पर्क में हैं. कभी मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की मांग पर शिवसेना को घेरने वाले ठाकरे ने इसी मुद्दे पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की तारीफ की है.

राज ठाकरे के इस कदम से महाराष्ट्र की राजनीति में कुछ अलग ही मायने निकाले जा रहे हैं. प्रदेश के राजनीतिक हलकों में उनके इस कदम को बीजेपी से उनकी नजदीकियों को जोड़कर देखा जा रहा है. कयास लगाए जाने लगे हैं कि वे अब हिन्दुत्व की राह लेंगे. वैसे भी उनका मराठी मुद्दा अब फुस्स हो चुका है.

हिंदू वोटों को बटोरने की कवायद

देखा जाए तो पिछले कई महीनों से राज ठाकरे खुद को हिंदुत्व के नेता के तौर पर स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि महाराष्ट्र की सियासत में शिवसेना के हिंदू वोटों को अपने पाले में लाया जा सके. पीएम मोदी के विरोध और कांग्रेस के समर्थन में प्रचार कर चुके राज ठाकरे की राजनीति में आए हालिया बदलाव को उनकी पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और बीजेपी के बीच बढ़ती नजदीकियों के रूप में देखा जा रहा है.

हिंदुत्व पर ढ़ीली हुई शिव सेना की पकड़

महाराष्ट्र की राजनीति में कभी मराठी मानुष और कट्टर हिंदुत्व की समर्थक माने जाने वाली शिवसेना की हिंदुत्व के मुद्दों पर पकड़ ढीली होने से राज ठाकरे को फ्रंट-फुट पर खेलने का मौका मिल गया है. राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राज ठाकरे का हिंदुत्व एजेंडा अचानक नहीं, बल्कि सोंच-समझ कर उठाया गया कदम है. उनके इस कदम को मनसे के राजनीतिक विस्तार से भी जोड़ कर देखा जा रहा है.

मनसे की बढ़ेगी स्वीकार्यता

माना जा रहा है कि हिंदुत्व आधारित राजनीति से MNS की गैर-मराठी वोटरों के बीच भी स्वीकार्यता बढ़ेगी. मुंबई में 26% मराठी वोटर्स हैं, जबकि बाकि 64% में उत्तर भारतीय, गुजराती और अन्य शामिल हैं. इसकी एक और बड़ी वजह मनसे की उत्तर भारतीय विरोधी पार्टी होने की इमेज को धोने की कोशिश भी है. कभी अपने ही धुर विरोधी रहे दलों कांग्रेस और एनसीपी से हाथ मिलाने के बाद उद्धव ठाकरे के समर्थक भी खुद को असहज महसूस कर रहे हैं.

मुंबई के रहने वाले 2 एजेंटों ने विदेश भेजने के नाम पर ठगे 35 लाख...

मुंबई : सीकर के फतेहपुर इलाके में विदेश भेजने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। मुंबई के रहने वाले 2 एजेंटों ने एक टिकट एजेंट को अपने झांसे में लेकर उससे करीब 35 लाख रुपए ऐंठ लिए। कई लोगों को सिंगापुर की बजाय मलेशिया भेज दिया। तो कई लोगों को टूरिस्ट वीजा पर भेजा। टिकट एजेंट ने अब फतेहपुर कोतवाली थाने में मामला दर्ज करवाया है।

फतेहपुर निवासी इमदाद अली ने रिपोर्ट देकर बताया है कि फतेहपुर में उसने बावड़ी गेट पर ऑनलाइन एयर टिकट बेचने की दुकान कर रखी है। उसकी दुकान पर रेहान नाम का एक युवक आया जिसने इमदाद को कहा कि वह लोगों को विदेश भेजने का काम करता है। जिसका मुंबई में ऑफिस भी है। रेहान ने इमदाद को मुंबई आकर ऑफिस देखने को कहा। जब इमदाद अपने काम से मुंबई गया था तो रेहान का ऑफिस देखकर आया।

वहां रेहान ने इमदाद को कहा कि उसके पास सिंगापुर के लिए सात एंप्लॉयमेंट वीजा आए हुए हैं। इमदाद ने 7 लोगों के पासपोर्ट रेहान को दे दिए। फिर रेहान ने इमदाद को कहा कि उसके पास दुबई के 6 वीजा आए हुए हैं और उसके साथी अनिल चौधरी के पास भी 40 वीजा आए हुए हैं। वह इमदाद के कई लोगों को दुबई भिजवा देंगे। ऐसे में इमदाद ने 6 पासपोर्ट रेहान को दे दिए। विदेश भेजने के लिए रेहान ने 11.70 लाख रुपए अपने अकाउंट में ट्रांसफर करवा लिए। लेकिन रेहान ने 7 लोगों को फर्जी तरीके से सिंगापुर के बजाय मलेशिया भेज दिया। जहां से उन 7 लोगों को वापस बुलाया गया तो 4.20 लाख रुपए खर्च हुए। रेहान ने दुबई जाने के जो वीजा दिया। वह भी नकली था।

वही रेहान ने जो 40 वीजा अनिल चौधरी के पास बताए थे। उस वीजा के लिए भी 23.50 लाख रुपए अनिल के अकाउंट में ट्रांसफर किए गए। 40 में से 10 लोगों को तो टूरिस्ट वीजा पर दुबई भेज दिया गया।

महारेरा ने की बिल्डरों से 101 करोड़ रुपए की वसूली, मुंबई, पुणे और रायगढ़ के ग्राहकों को राहत

मुंबई : मुंबई, एमएमआर के अलावा पुणे, रायगढ़ जिलों में घर खरीदारों को समय पर फ़्लैट का ताबा न देने वाले बिल्डरों पर महारेरा ने नकेल कसी है। बताया गया कि मुंबई शहर, उपनगरों, पुणे और रायगढ़ जिलों में 118 मामलों में प्रभावित घर खरीदारों को अब तक लगभग 100.56 करोड़ रुपए का मुआवजा मिला है। महारेरा के माध्यम से कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर और तहसीलदारों द्वारा दंड राशि वसूल की गई है।

उल्लेखनीय है कि नियमों का उल्लंघन कर घर खरीदारों को समय पर कब्जा न सौंपने, परियोजनाओं का आंशिक परित्याग, निर्धारित गुणवत्ता के अनुसार काम न करने आदि शिकायतें महारेरा के पास आती हैं। रखरखाव न करने आदि के संबंध में मकान खरीदारों की शिकायतें महारेरा में आती हैं। मुंबई शहर, उपनगर, पुणे और रायगढ़ में 594 वारंट मामलों में 413.79 करोड़ रुपए वसूली की नोटिस भेजी गई। अब तक चार जिलों में 118 वारंटों से 100.56 करोड़ रुपए की वसूली की गई है। इसके लिए मुंबई शहर, उपनगर, ठाणे, पुणे रायगढ़, पालघर औरंगाबाद, नागपुर, नासिक, चंद्रपुर, सिंधुदुर्ग, सतारा और रत्न गिरी के 13 जिला कलेक्टरों को पत्र भेजे गए थे।

मुलुंड में स्कूटी, बाइक चोरी की घटनाएं तेजी से बढ़ रही थी

23 साल के चोर के पास से साढ़े सात लाख की 15 स्कूटी जब्त, पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर

मुंबई : देश की आर्थिक राजधानी के मुलुंड इलाके में मुंबई पुलिस को स्कूटी और बाइक चोरी होने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। बढ़ती शिकायतों के मद्देनजर जोन-7 के डीसीपी पुरुषोत्तम कराड की देखरेख में पुलिस की एक टीम का गठन किया गया और बाइक चोर गैंग की तलाश शुरू हुई। पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी और मुखबिरों के माध्यम से अपनी जांच को आगे बढ़ाया। इसी बीच में पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर गौरंग आनंद नाम के एक 23 साल के युवक को गिरफ्तार किया। इस अपराधी को देखकर यह कहना मुश्किल था कि यह बाइक चोरी जैसी वारदात में शामिल होगा। हालांकि, जब पुलिस ने इससे कड़ाई से पूछताछ की तो वह भी दंग रह गए। पुलिस ने आरोपी के पास से 15 स्कूटी जब्त की है। आरोपी गौरंग आनंद चौधरी ने पुलिस को

बताया कि उसने कई बार चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोरी वह बड़े ही शातिर तरीके से करता था ताकि वह पुलिस की गिरफ्त में न आ पाए।

चोरी का नया तरीका

पुलिस की पूछताछ में गौरंग आनंद ने बताया कि जिस स्कूटी पर उसकी नजर होती थी वह उसके मालिक पर निगरानी रखता था। जैसे ही मालिक स्कूटी से दूर जाता था वह स्कूटी लेकर फरार हो जाता था। अब आप सोच रहे होंगे कि वह स्कूटी को कैसे लेकर रफूचक्कर होता था? दरअसल वह इसके लिए की-मेकर से संपर्क करता था। उन्हें भरोसा दिलाने के उनके व्हाट्सएप पर आधार नंबर भेजकर डुप्लीकेट चाभी बनवाता था। बाद में फिर अपनी पहचान छिपाने के लिए व्हाट्सएप पर भेजे गए आधार नंबर को डिलीट भी कर देता था। इतना ही नहीं चोरी की हुई बाइक या स्कूटी को बेचने के लिए वह लोगों से यह कहता था कि लोन न चुका पाने की वजह से फाइनेंस कंपनियों ने इन इस स्कूटी या बाइक को जब्त किया है। सस्ते में मिल रही बाइक या स्कूटी को लोग हाथों-हाथ खरीद लेते थे। इस तरह से गौरांग चोरी का धंधा लंबे समय से चला रहा था। पुलिस ने आरोपी के पास से 15 स्कूटी बरामद की है।

PFI मामले में ATS ने दाखिल की चार्जशीट; गोला बारूद बनाने वाली कंपनी के सर्वर पर साइबर हमला

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र एटीएस ने पीएफआई मामले के संबंध में मुंबई सत्र न्यायालय के समक्ष चार्जशीट दाखिल की, जिसमें एजेंसी द्वारा 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार लोगों में से 5 मुंबई से थे। एटीएस ने 4 एफआईआर दर्ज कीं थी। उनके खिलाफ आईपीसी और यूएपीए के तहत धाराएं लगाई गई थीं। पांचों लोगों को पिछले साल सितंबर में छापेमारी के बाद देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने और राष्ट्र के खिलाफ युद्ध छेड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

बांद्रा-वर्ली सी लिंक हादसा: अदालत ने आरोपी चालक को दी जमानत

मुंबई : मुंबई की एक सत्र अदालत ने यहां बांद्रा-वर्ली सी लिंक पर पिछले साल अक्टूबर में हुए एक सड़क हादसे में शामिल एसयूवी के चालक को बुधवार को जमानत दे दी। इस दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई थी। हादसे में शामिल ह्यस्पोर्ट यूटिलिट व्हीकल (एसयूवी) को कथित रूप से इरफान अब्दुल रहीम बिलाकिया चला रहा था। उसके खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अभय ए जोगलेकर ने बुधवार को उसे जमानत प्रदान कर दी।

इसे मामले में विस्तृत आदेश की प्रतीक्षा की जा रही है। जमानत हासिल करने की यह बिलाकिया की तीसरी कोशिश थी। इससे पहले मजिस्ट्रेट और सत्र अदालत उसकी जमानत अर्जियों को खारिज कर चुके हैं। पुलिस की ओर से दिसंबर में आरोप पत्र दायर करने के बाद उसने अदालत में फिर से जमानत याचिका दायर की। आरोप पत्र में दावा किया गया था कि बिलाकिया तेज रफ्तार से गाड़ी चला रहा था। हादसे से पहले सी लिंक पर उसकी एसयूवी कार की औसत रफ्तार 109.57 किलोमीटर प्रतिघंटा थी जो 80 किलोमीटर प्रति घंटे की सीमा से काफी ज्यादा थी। उसमें कहा गया है कि मेडिकल रिपोर्ट में इस बात को खारिज किया गया है कि वह शराब के नशे में था।

मुंबई क्राइम ब्रांच का एक्शन

76 किलो गांजा के साथ 4 को धर दबोचा

मुंबई : मुंबई के दादर रेलवे स्टेशन के बाहर क्राइम ब्रांच की टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल की है. क्राइम ब्रांच की टीम ने गांजा तस्करों को धर दबोचा है. जिसमें 4 लोगों की गिरफ्तारी हुई है. वहीं 76 किलो गांजा आरोपियों के पास से पुलिस ने बरामद की है. बरामद किए गए ड्रग्स की कीमत 30 लाख रुपये है. पुलिस अब इस बात की तफ्तीश में लगी है कि गांजा कहां से आ रहा था और कहां जा रहा था. बता दें कि इस डील की जानकारी क्राइम ब्रांच को पहले ही मिल चुकी थी. कुछ लोग ड्रग्स की तस्करी के लिए मुंबई आने वाले हैं, जिसके बाद क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई शुरू की.

जैसे ही 4 लोग संदिग्ध लगे उनके पास गए और उनकी जब तलाशी ली तो उनके पास से 76 किलो से ज्यादा गांजा बरामद किया गया. क्राइम ब्रांच ने 4 लोगों को हिरासत में लेकर भोईवाड़ा पुलिस के हवाले कर दिया. भोईवाड़ा पुलिस ने NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज कर 4 लोगों को गिरफ्तार किया. पुलिस अब ये जांच करने में जुट गई है कि आखिर ये ड्रग्स किसे सप्लाई करने आए थे.

कुछ दिन पहले भी पकड़ाया था तस्कर

मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिस सेल (ANC) ने दो कारों में छुपाया गया 266 किलोग्राम गांजा जब्त किया था. इसकी कीमत 80 लाख रुपये आंकी गई थी. गिरफ्तार आरोपियों के नाम अश्विन कुमार अशोक शर्मा (32 वर्ष) और रमेश लोहार (24 वर्ष) हैं और दोनों ठाणे के रहने वाले हैं. इन दोनों को ठाणे के नजदीक ऐरोली से गिरफ्तार किया गया था. मामले में दोनों आरोपियों के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सबस्टेंस (NDPS) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था.

चोरी और डकैती के आरोप नहीं हो सके साबित, कोर्ट ने किया 5 लोगों को बरी

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे की एक अदालत ने डकैती और हमले के आरोप में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम कानून (मकोका) के तहत दर्ज मामले में पांच लोगों को बरी कर दिया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष किसी भी स्वतंत्र गवाह को पेश करने में विफल रहा है। वह केवल पुलिस एवं आरोपियों के इकबालिया बयानों पर भरोसा किया है। इसलिए आरोप न साबित होने पर आरोपियों को बरी किया जाता है। विशेष अदालत के न्यायाधीश अमित एम शेटे ने मंगलवार को पारित अपने आदेश में आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया है।

मीरा रोड पर आपसी विवाद के बाद चाचा की जगह भतीजे की कर दी थी हत्या, 9 आरोपी दबोचे गए

मुंबई : कश्मीरी पुलिस ने सोमवार (30 जनवरी) को मुंबई में मीरा रोड पर 20 साल के युवक की हत्या के मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस की जांच में जो सामने आया वह चौकाने वाला है. इस मामले में संबंधित डिलीवरी बॉय की बेगुनाह मौत हो गई थी. हत्यारों ने मामा की हत्या करने के बजाय भतीजे की हत्या कर दी. पता चला है कि हत्या पेट्रोल पंप पर बाइक ले जाने को लेकर हुए मामूली विवाद को लेकर हुई.

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर नौ आरोपी गिरफ्तार

मीरा रोड पर जांगिड़ सर्किल के पास 20 वर्षीय अंकुश राजेश कुमार राज की नौ लोगों ने चाकू मारकर हत्या कर दी थी. इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हुआ था. सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कश्मीरी क्राइम ब्रांच नंबर 1 ने नौ लोगों को गिरफ्तार किया है. उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 302, 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है. पुलिस ने जब इन सभी से पूछताछ की तो जो वजह सामने आई वो हैरान करने वाली थी. दरअसल, अंकुश राज एक ई-शॉपिंग कंपनी में डिलीवरी बॉय का काम करता था. बाइक को पेट्रोल पंप पर ले जाने को लेकर अंकुश के मामा हर्ष राज और आरोपी आयुष भानु प्रसाद सिंह के बीच मामूली कहासुनी हो गई. उस समय मृतक अंकुश ने इस विवाद को सुलझा लिया था. लेकिन कुछ देर बाद आरोपी अपने साथियों के साथ हर्ष की तलाश में आ गया. इस बार उसने अंकुश को देखा. वह किसी काम से एक जगह खड़ा था. उसी समय नौ लोग वहां आए और अंकुश पर हमला कर दिया. इन आरोपियों ने अंकुश को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया और हमले के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए. हमले में गंभीर रूप से घायल अंकुश को इलाज के लिए नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. हालांकि डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने इस मामले में नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इस अपराध का मुख्य आरोपी आयुष भानु प्रसाद सिंह (उम्र 19 वर्ष) है. जबकि अकीच खालिद अंसारी (उम्र 20 साल), शेख फरहान नजरे आलम (उम्र 18 साल), अरमान हबीब लदाफ (उम्र 18 साल), हैदर पंगबर पठान (उम्र 18 साल), अशपाक अख्तर मंसूर (उम्र 25 साल), मेहताब रहीमुद्दीन खान (उम्र 22)) वर्ष), अमित सौरव सिंह (उम्र 22 वर्ष), सरवर हुसैन शफीकुल्ला खान, को भी गिरफ्तार किया गया है.

संक्षिप्त समाचार

हिंगोली में लाखों के नकली नोट जब्त, 9 लोग गिरफ्तार

महाराष्ट्र : दिन ब दिन महाराष्ट्र में अपराध की घटनाएं बढ़ती ही जा रही है। हाल ही में मुंबई में भ्रष्टाचार की एक खबर सामने आई है वही और एक अपराध की घटना सामने आई है। जी हां ये खबर महाराष्ट्र के हिंगोली की है जहा लाखों के नकली नोट जब्त किये गए है। जैसा कि हम जानते है पिछले कुछ दिनों से बाजार में नकली नोटों की संख्या में इजाफा हुआ है। कुछ दिनों पहले मुंबई के उपनगरों में कार्रवाई की गई थी। अब पुलिस ने हिंगोली से लाखों रुपए के नकली नोट जब्त किए हैं।

न्यायालय मुंबई में 5 फरवरी को होने वाले ''नफरती भाषण कार्यक्रम'' के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करेगा

मुंबई : उच्चतम न्यायालय मुंबई में पांच फरवरी को होने वाले कथित नफरती भाषण कार्यक्रम पर रोक लगाने का अनुरोध संबंधी याचिका पर सुनवाई के लिए बृहस्पतिवार को सहमत हो गया। न्यायमूर्ति के एम जोसेफ, न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय की पीठ ने कहा कि वह प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ से निर्देश लेगी और उनकी अनुमति मिलने पर मामले की शुक्रवार को सुनवाई करेगी। पीठ ने कहा, 'इस संबंध में हम आपके साथ हैं, लेकिन यह समझें कि हर बार किसी रैली की घोषणा होने पर उच्चतम न्यायालय का दरवाजा नहीं खटखटाया जा सकता है।

छानबे विधायक राहुल प्रकाश कोल का निधन...

मुंबई : छानबे विधानसभा सीट से अपना दल एस के विधायक राहुल प्रकाश कोल का मुंबई स्थित एक कैंसर हॉस्पिटल में गुरुवार को आकस्मिक निधन हो गया। वह लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे और इलाज करा रहे थे। कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने इसकी पुष्टि की है। हालांकि परिवार की ओर से अभी कोई बयान नहीं आया है। राहुल प्रकाश कोल छानबे विधानसभा सीट पर लगातार दूसरी बार विजयी हुए और विधायक बने। 2017 विधान सभा चुनाव में वे सबसे कम उम्र के विधायक बने थे। उनके पिता पकौड़ी लाल कोल राबर्ट्सगंज सीट से अपना दल एस के सांसद हैं। कुछ दिन पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने उनसे मुलाकात की थी और इस दौरान राहुल कोल को ढांढस बंधाते उनकी तस्वीर भी सोशल मीडिया पर दिखी थी।

सामाजिक कार्यकर्ता महिला की मौत...!

पैसे नहीं दिए तो 25 साल पुराने दोस्त ने तेजाब से नहला दिया,

मुंबई : मुंबई में सामाजिक कार्यकर्ता गीता वीरकर (54) पर गुरुवार (2 फरवरी) को उसके 25 साल पुराने दोस्त ने तेजाब फेंक दिया. इलाज के दौरान वीरकर की मौत हो गई. मामला दक्षिण मुंबई के कालबादेवी के फनसवाड़ी इलाके का है. सूत्रों ने बताया की गीता वीरकर पर उसके दोस्त महेश पुजारी (62) ने सल्फ्यूरिक एसिड फेंका था. इस मामले में पुलिस ने महेश को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है. गीता वीरकर ने इलाज के दौरान पुलिस को बताया कि महेश पुजारी (62) उससे हमेशा झगड़ा करता था. यह लड़ाई इसलिए होती थी क्योंकि वो उसे शराब पीने और ताश खलने के लिए पैसे देने से मना करती थी. पुलिस ने जानकारी दी कि 13 जनवरी की सुबह जब वीरकर पानी भरने बाहर आई तो उन पर तेजाब फेंक दिया गया. इसके बाद आरोपी महेश पुजारी को गीता के बेटों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा.

क्या है पूरा मामला?

एसिड अटैक के तुरंत बाद वीरकर को भाटिया अस्पताल ले जाया गया. इसके बाद 14 जनवरी को मसीना हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया था, जहां उनका इलाज पिछले 18 दिनों तक चला और सोमवार को उनकी मौत हो गई. तेजाब हमले की वजह से गीता के पूरे चेहरे पर चोट के निशान आ गए थे और उसकी दोनों पलकें और आंखें भी कुछ जल गई थीं. इसके अलावा महिला की छाती, पीठ, ऊपरी और निचले अंगों के साथ-साथ हाथ भी 40 से 50 फीसदी तक जल गया था.

एसिड कहां से मिला?

एलटी मार्ग पुलिस स्टेशन की एक अधिकारी ने बताया की इस मामले में पीड़िता के मरने से पहले पुजारी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ हत्या की कोशिश का मामला दर्ज किया गया था. अब गीता की मौत हो गई तो पुजारी के खिलाफ मर्डर का केस दर्ज किया गया है.

गडकरी चौक पर गुटखा और पान के थूक से सने डिवाइडर की तस्वीरें वायरल

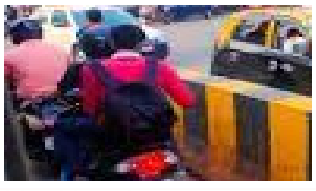

मुंबई : गुटखा और पान खाने वालों को अक्सर शहर की सड़कों और दीवारों पर थूककर गंदा कर देते हैं. हाल ही में मुंबई मैटर्स ने एक पोस्ट में गुटखा और पान खाने वालों की इस बुरी आदत की तस्वीरें ट्विटर पर शेयर की हैं. इस पोस्ट में उन्होंने बीएमसी को टैग करते हुए सवाल पूछा कि सड़कों को पेंट करने पर इतना पैसा खर्च करने की क्या जरूरत है जब यहां के एक्टिव और जिम्मेदार नागरिक इसे मुफ्त में करने के लिए तैयार हैं.

पोस्ट में तस्वीरें गडकरी चौक दादर की हैं. बता दें कि शहर की दीवारों और सड़कों पर थूकने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है. खासकर पैदल यात्रा करने वाले लोग काफी परेशान नजर आते हैं.

मालिक, मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com